महत्वपूर्ण तिथियाँ
(स्नातक कक्षाओं में प्रवेश हेतु)

1.	महाविद्यालय प्रवेश फार्म एवं विवरण पत्रिका का वितरण व प्रवेश पंजीकरण प्रारम्भ	– सी0यू0ई0टी0 परिणाम आने के 10 दिन तक
2.	पंजीकरण की अन्तिम तिथि (स्नातक)	– हे.न.ब.ग. विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश अनुसार एवं समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण के पश्चात महाविद्यालय सूचना पट्ट पर दर्शायी जायेगी।

महत्वपूर्ण तिथियाँ
(स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु)

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश एवं पंजीकरण की अन्तिम तिथियों की घोषणा हे0न0ब0ग0 विश्वविद्यालय के यू0ई0टी0 के परिणाम घोषित होने के पश्चात की जायेगी। कृपया महाविद्यालय के सूचना पट्ट का अवलोकन करें।

नोट : प्रवेश के समय अभ्यर्थी अनिवार्यतः स्वयं उपस्थित हो तथा अपने साथ सभी मूल प्रमाण–पत्र तथा उनकी सत्यापित कॉपी साथ लायें। इसके लिये अतिरिक्त समय देय नहीं होगा। छात्र/छात्रायें जिस वर्ग (जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत जाति प्रमाण–पत्र ही स्वीकार होगा अन्य प्रदेश का जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए) जो विद्यार्थी खेलकूद (राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर) एवं एन.एस.एस. तथा एन.सी.सी. का लाभ लेना चाहते हैं, वे सम्बन्धित प्रमाण–पत्र की प्रमाणित कॉपी, रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ संलग्न करें तथा प्रवेश के समय मूल प्रमाण पत्र भी साथ लायें।

अन्य जानकारी हेतु हमारी वैब साइट

www.chinmayadc.edu.in

का अवलोकन करें।

ADMISSION COMMITTEE
UNDER GRADUATE COURSE
(प्रवेश समिति)
(Session : 2024-2025)

चिन्मय डिग्री कॉलेज में बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर एवं एम0एससी0 प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024–25 में प्रवेश करने हेतु निम्न प्रकार से समिति गठित की गयी है जो निम्नवत् प्रकार है:–

प्रवेश समिति – (1) डा0 मनीषा, इंचार्ज (2) डा0 रूचिरा चौधरी, सदस्य

प्रवेश इंचार्ज (वित्त पोषित) बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर–
स्थान – कान्फ्रेंस रूम

1. डा0 पी0के0 शर्मा (गणित वर्ग)
2. श्रीमती सुरभि गुप्ता (गणित वर्ग)
3. कु0 प्रेरणा राजपूत (गणित वर्ग)
4. श्री कमल मिश्रा

प्रवेश इंचार्ज (स्ववित्त पोषित) बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर–
स्थान – CES ऑफिस

1. डा0 दीपिका (माइक्रोबायोलोजी वर्ग)
2. डा0 निधि चौहान (माइक्रोबायोलोजी वर्ग)
3. श्री राजेश कश्यप (माइक्रोबायोलोजी वर्ग)

प्रवेश इंचार्ज (वित्त पोषित) बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर–
स्थान – कान्फ्रेंस रूम

1. डा0 डा0 ए0एस0 सिंह (बायोलोजी वर्ग)
2. श्रीमती राखी गोयल (बायोलोजी वर्ग)
3. कु0 अपूर्वा (बायोलोजी वर्ग)
4. श्री डी0के0 उपाध्याय
5. श्री राजेन्द्र सिंह, श्री चन्दर सिंह

प्रवेश इंचार्ज (स्ववित्त पोषित) बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर–
स्थान – CES ऑफिस

1. श्री संतोष कुमार (कम्प्यूटर साइंस वर्ग)
2. श्री अंकुर चौहान (कम्प्यूटर साइंस वर्ग)
3. श्री राजेश कश्यप (माइक्रोबायोलोजी)
4. श्री सुनील कुमार
5. श्री राजेश ठाकुर

सहायता केन्द्र (Help Desk) –
स्थान – कॉलेज लॉबी

1. श्री हिमांशु सिंह
2. कु0 रागिनी
3. श्रीमती कृतिका चौधरी
4. कु0 मुस्कान सलमानी

एम0एससी0 प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश सम्बन्धित विभागों में किये जायेंगे

1. रसायन विज्ञान – डा0 रूचिरा चौधरी, श्रीमती शिवानी चौहान
2. भौतिक विज्ञान – डा0 ओमकान्त, डा0 दीप्ति रानी
3. जन्तु विज्ञान – कु0 मानसी, कु0 रितिका
4. बायोटेक्नोलोजी – डा0 स्वाति शुक्ला, डा0 ज्योति चौधरी
5. माइक्रोबायोलोजी – डा0 दीपिका, डा0 निधि चौहान
6. कम्प्यूटर साइंस – श्री संतोष कुमार, श्री अंकुर चौहान

For Registration on SAMARTH PORTAL, Place - College Office

1. डा0 मधु शर्मा, नोडल अधिकारी समर्थ पोर्टल
2. कु0 मानसी, सदस्य (**GIA**)
3. कु0 निवेदिता, सदस्य (**GIA**)
4. डा0 राजीव सक्सेना, सदस्य (**SFS**)
5. डा0 डी0के0 उपाध्याय, सदस्य (**SFS**)

ANTI RAGGING CELL

Members	Contact No
1. Dr. Alok Agarwal (Convener)	9897739135
2. Dr. Manisha	9837162852
3. Dr. Ruchira Chowdhary	9719650897
4. Dr. Omkant	9897982689
5. Dr. Madhu Sharma	9690934625
6. Sh. V.S. Negi	9927219655
7. Mrs. Vineeta Dhyani	9411120808

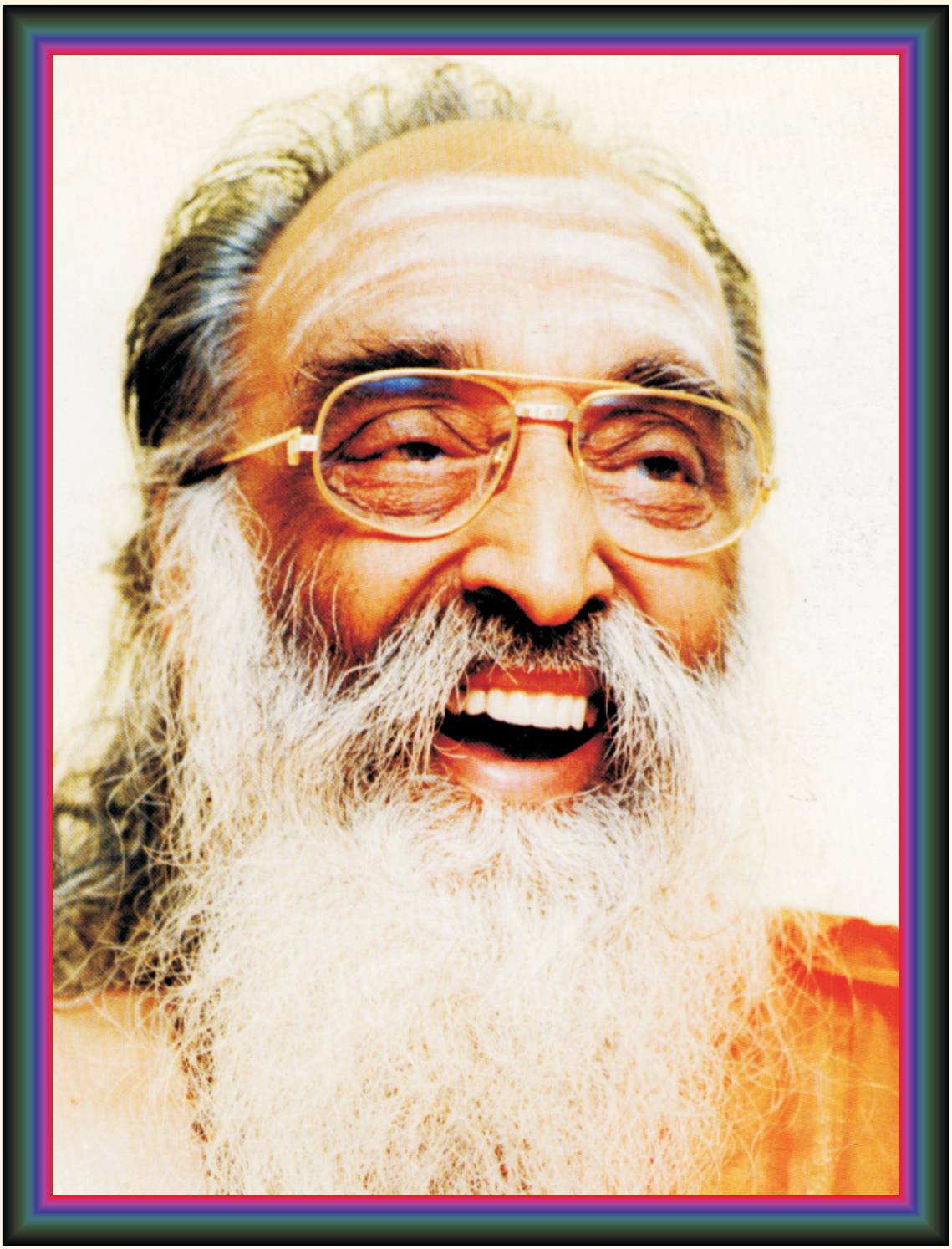

Founder of Chinmaya Mission H.H. Gurudev Swami Chinmayanand Ji
(1916-1993)

H.H. SWAMI CHINMAYANANDA JI

Born on 8th May 1916 Yug Purusha H.H. Swami Chinmayanandaji Maharaj bloomed forth as a great saint, philosopher and guide to the millions and the greatest exponent of Geeta of his times. With a glorious record of education Mr Balakrishna Menon obtained post graduation degree in English from Lucknow University. His Holiness took Sanyas on the Mahashivratri day in 1947 from his Deeksha Guru, Swami Shivananda of Anand Kutir, Rishikesh. With Shivananda's blessings, Chinmayananda sought out Vedantick master of his time, Tapovan Maharaj of Uttarkashi known as Himwat Vibhuti and devoted next few years of his life to an intensive study of Vedanta under his tutelage. In May 1951, he descended to the plains from the heights of Gangotri with primary objectives of regeneration of Dharma and respiritualisation in India. Without any outside support, he organised the first GyanYagna in Pune in December 1951. From a few participants at the time, hundreds of Yagnas later, the number of devotees mounted to millions. Indeed, he was a movement in himself and a legend in his own life. His Geeta Gyan Yagnas brought the wisdom of Vedanta to millions who became his ardent devotees looking up to him as a Yug Purusha. He became Pujya Gurudev of countless people in India and abroad. It was his love for mankind and vision of man's relationship with God which brought about many centres of higher learning in the Vedantic knowledge in this country and other parts of the world. In a short span of about 60 years, more than 300 Chinmaya Mission Centres have been established in addition to various academic institutions imparting quality education, hospitals, welfare and vocational centres and clinics etc. for the benefit of the society.

Discourses of Geeta by Yug Purusha, the nectar of life, are much sought after the world over. Gurudev's commentaries on Geeta and other Hindu scriptures are acclaimed as master-pieces all over the world. Gurudev's audio and video cassettes on these scriptures are used in many institutions and homes for gaining the eternal knowledge of this subtle subject.

Pujya Gurudev attained Maha Samadhi on 3rd August 1993 passing the torch to the next generation led by H.H. Swami Tejomayananda ji and further by Swami Swaroopananda ji. College Parivar offers Shradhanjali by rededicating itselt to the noble cause of true knowledge.

परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी

8 मई 1916 को स्वामी चिन्मयानन्द जी ने इस धरती पर अवतार लिया था। वे अपने समय में गीता के सर्वश्रेष्ठ उपदेशक थे। उनका जन्म एक महान सन्त, दार्शनिक एवं लाखों लोगों के लिये आध्यात्मिक निर्देशक की भूमिका का निर्वाह करने के लिये हुआ था। प्रारम्भ में उनका नाम बालकृष्ण मेनन था तथा उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। आपने 1947 में महाशिवरात्रि के पर्व पर अपने गुरु स्वामी शिवानन्द, आनन्द कुटीर, ऋषिकेश से सन्यास की दीक्षा प्राप्त की। स्वामी शिवानन्द जी के आशीर्वाद से चिन्मयानन्द जी ने उस समय के महान संत उत्तरकाशी के तपोवन महाराज जो हिमवत् विभूति के नाम से प्रसिद्ध थे का शिष्यत्व व सान्निध्य प्राप्त किया और कुछ वर्षों तक वेदान्त का गहन अध्ययन किया। धर्म एवं आध्यात्म के क्षेत्र में पुनर्निर्माण को उद्देश्य मानकर मई 1951 में आपने गंगोत्री की पर्वतमालाओं से मैदानी क्षेत्रों की ओर प्रस्थान किया। बिना किसी बाह्य सहयोग के आपने दिसम्बर 1951 में प्रथम ज्ञान यज्ञ पूना में प्रारम्भ किया। इस यज्ञ में भाग लेने वाले भक्तजनों की संख्या अत्यन्त कम थी, लेकिन इसके पश्चात सैकड़ों की संख्या में ज्ञान यज्ञ आयोजित किये गये तथा भक्तजनों की संख्या लाखों में होने लगी। वास्तव में पूज्य स्वामी जी स्वयं में एक आन्दोलन थे तथा अपने जीवन में एक प्रसिद्ध सन्त के रूप में स्थापित हो चुके थे। आपके द्वारा संचालित गीता ज्ञान यज्ञों द्वारा लाखों भक्तों को वेदान्तों की अमृत वर्षा प्राप्त हुई। अपने भक्तों के लिये आप युग पुरुष के रूप में जाने गये थे। आपको भारत वर्ष तथा विदेशों में बसे असंख्य भक्तों ने पूज्य गुरुदेव के रूप में मान्यता प्रदान की। मानवता के प्रति समर्पण तथा परमात्मा से आत्मा सम्बन्धित परिकल्पना को समझने के लिए उन्होंने स्वदेश व विश्व के अन्य भागों में वेदान्तिक साहित्य केन्द्रों की स्थापना की। केवल चार दशकों की संक्षिप्त अवधि में ही उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों, चिकित्सालय, सामाजिक उत्थान के केन्द्रों एवं वृद्धाश्रमों जैसे सेवा माध्यमों के अतिरिक्त 300 चिन्मय मिशनों की स्थापना हो चुकी है। पूज्य गुरुदेव द्वारा जीवन के लिये अमृत समान गीता पर आधारित व्याख्यानों का विश्व भर में आयोजन किया जा चुका है। आपके द्वारा गीता एवं हिन्दू धर्म के अन्य ग्रन्थों पर आधारित सारगर्भित विश्लेषण समस्त विश्व की धरोहर हैं। इन विषयों पर दृश्य एवं श्रव्य प्रचार सामग्रियों द्वारा अनेक संस्थान एवं लाखों परिजन अपने आध्यात्मिक ज्ञान में वृद्धि कर रहे हैं। 3 अगस्त 1993 को पूज्य गुरुदेव द्वारा महासमाधि लेने के पश्चात अब इस गुरुत्तर दायित्व का निर्वहन स्वामी तेजोमयानन्द के कुशल संचालन द्वारा किया गया। तत्पश्चात स्वामी स्वरूपानन्दा जी ज्ञान की इस पताका को सम्पूर्ण विश्व में फैला रहे हैं। इस पूज्य महात्मा के लिये सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में चिन्मय परिजन समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों को सम्पूर्ण दायित्व के साथ निर्वहन करने के लिये सदैव प्रतिबद्ध हैं।

If you realise you were wrong, have the courage to admit it !

- Swami Chinmayananda

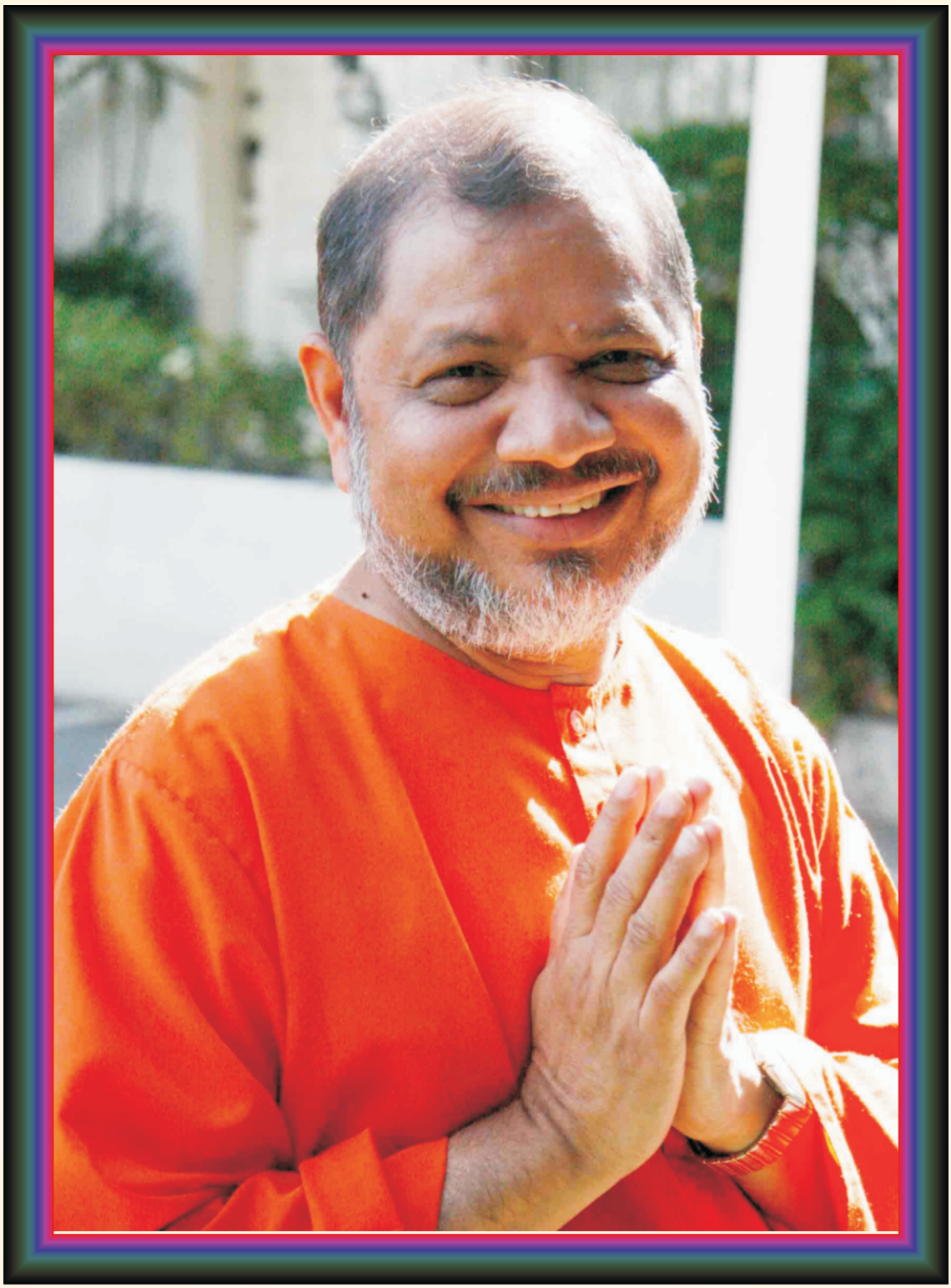

H.H. Swami Tejomayananda Ji Chief Mentor of Chinmaya Mission

H.H. SWAMI TEJOMAYANANDA JI

Swami Tejomayananda Ji was the Global Head of Chinmaya Mission worldwide from August 1993 to January 2017 . He was born in a Maharashtrian family on 30th June 1950 in Madhaya Pradesh. He was called Sudhakar Kaitwade. At the age of 20, While doing his master's degree in Physics, he met Swami Chinmayananda. So thoroughly inspired was Sudhakar, that after obtaining his mother's permission, he joined Chinmaya Mission's Vedanta Course in Mumbai. After successfully completing the course in 1975, he was posted to Chinmaya Mission Centre in Bhopal and subsequently Kanpur and Sidhbari.

On October 21, 1983 Swami Chinmayananda ji initiated him into sanyas and gave him the name Swami Tejomayananda Ji. In 1989, Swami Tejomayananda Ji was sent to San Jose (USA) and became Acharya of Chinmaya Mission West. This made him In-charge of all of Chinmaya Mission activities in North America.

Upon Swami Chinmayananda's Maha Samadhi in August 1993, Swami Tejomayananda Ji returned to India and became the Global Head of Chinmaya Mission worldwide. Since then, Swami Tejomayananda Ji has vigorously pursued the grand vision of his master.

In the year 2016, the President of India awarded Swami Ji with "Padma Bhushan" for his social and spritual contribution to the society. In January 2017 he handed over the charge of Global Head of Chinmaya Mission to HH Swami Swaroopananda Ji. Currently HH Swami Tejomayananda Ji, reverentially called Guru ji by the devotees of Chinmaya Mission world wide, is the Chief mentor of Chinmaya Mission.

परम पूज्य स्वामी तेजोमयानन्द जी

स्वामी तेजोमयानन्द जी चिन्मय मिशन के प्रमुख थे। इनका जन्म 30 जून 1950 को मध्य प्रदेश में एक मराठी परिवार में हुआ। पूर्वाश्रम में आपका नाम सुधाकर केटवाडे था। 20 वर्ष की आयु में आप स्वामी चिन्मयानन्द जी के प्रथम दर्शन से अत्यन्त प्रभावित हुए। अपनी माता जी के आशीर्वाद एवं अनुमति के पश्चात आपने मुम्बई में वेदान्त की दीक्षा ग्रहण की। 1975 में वेदान्त शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात, आपको चिन्मय मिशन की भोपाल, कानपुर तथा सिद्धबाड़ी का कार्यभार क्रमशः सौंपा गया, जिसका आपने सफलता पूर्वक निर्वहन किया।

21 अक्टूबर 1983 को आपने स्वामी चिन्मयानन्द जी से संन्यास की दीक्षा ग्रहण की तत्पश्चात् आपका नाम स्वामी तेजोमयानन्द हो गया। 1989 में स्वामी तेजोमयानन्द जी को चिन्मय मिशन के आचार्य के रूप में अमेरिका के सेन जोन्स मुख्यालय पर भेजा गया। यहाँ से स्वामी जी ने उत्तरी अमेरिका में होने वाली चिन्मय मिशन की सभी गतिविधियों का संचालन किया।

स्वामी चिन्मयानन्द जी द्वारा महासमाधि के पश्चात अगस्त 1993 में स्वामी तेजोमयानन्द जी ने चिन्मय मिशन के प्रमुख का पद ग्रहण किया। इस नई भूमिका में स्वामी जी ने स्वामी चिन्मयानन्द के वृहत्तर दृष्टिकोण का प्रसार किया है।

वर्ष 2016 में स्वामी जी को सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान के लिए राष्ट्रपति द्वारा **'' पद्म भूषण''** पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पूज्य स्वामी जी ने जनवरी 2017 में **Global Head** का कार्यभार पूज्य स्वामी स्वरूपानन्द जी को सौंप दिया। वर्तमान में पूज्य गुरुजी चिन्मय मिशन के मुख्य मार्गदर्शक है।

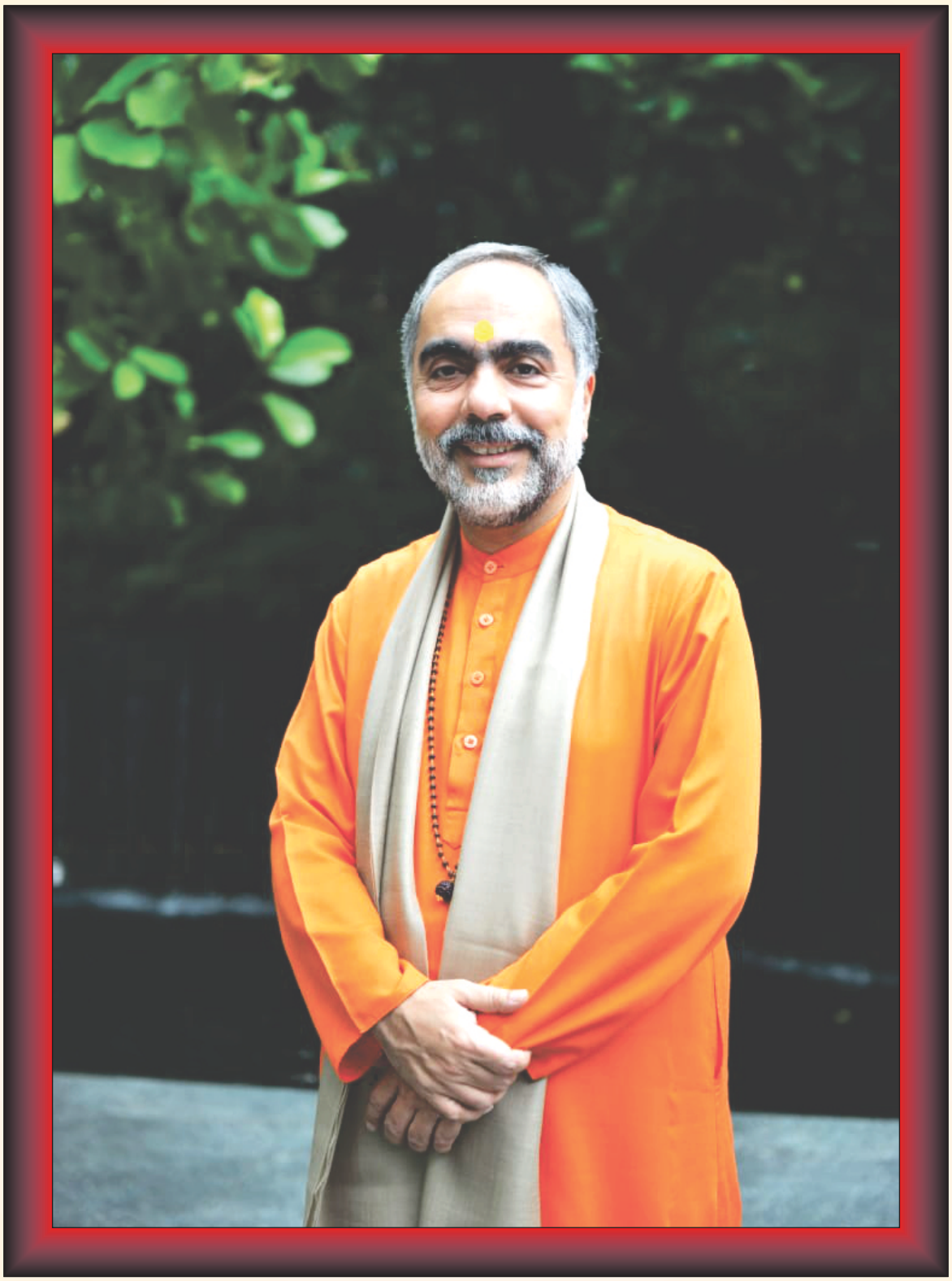

SWAMI SWAROOPANANDAJI Global Head, Chinmaya Mission

SWAMI SWAROOPANANDAJI

In an era rife with scepticism and confusion about matters spiritual, Swami Swaroopananda is a rare voice that blends authenticity with accessibility, theory with self-practice; logic with heart.

Born and brought up in a bustling commercial capital of India, Swamiji had always been convinced that beyond life's superficial, everyday joys and sorrows, there was something more enduring and satisfying. As an adolescent he encountered the preeminent Master of Vedanta, Swami Chinmayananda (Gurudev). He gave up his family's thriving business in Hong Kong to undergo intensive training under Gurudev and Swami Tejomayananda. He was initiated into the Monastic order in 1992. Since then, he has touched thousands of lives worldwide and his tremendous work in bringing out the essential wisdom and underlying unity of all religions has garnered him a place among the vanguards of self development philosophy.

Swamiji has authored several commentaries on such important spiritual classics as Ik Onkar, Maha Mrityunjaya Mantra and Sankat Mochan, besides numerous books on contemporary lifestyle subjects such as Simplicity and Meditation, Storm to Perform, Avatar, Managing the Manager and Journey into Health.

Swamiji is equally adept at conducting 'holistic management' seminars for senior corporate executives. Among the well-known institutes he has been invited to speak at are the Ford, London Business School and Harvard University, to name a few.

Formerly the Regional Head of Chinmaya Mission Australia, United Kingdom, Middle East, Africa and Far East and presently Chairman of the Chinmaya Vishwavidyapeeth Trust (University for Sanskrit and Indic Traditions) and Director of the Chinmaya International Residential School in Coimbatore, South India, Swami Swaroopananda has now been bestowed by Swami Tejomayananda the privilege to also serve as the Head of Chinmaya Mission Worldwide.

परम पूज्य स्वामी स्वरुपानन्द जी

हर तरफ फैले हुए संदेह और भ्रम के इस युग में आध्यात्मिक गुरु स्वामी स्वरूपानन्द जी एक ऐसी दुर्लभ आवाज है जो प्रामाणिकता के साथ सुलभता, सिद्धान्त के साथ स्व अभ्यास और तर्क के साथ सहृदयता का मिश्रण है।

भारत की एक उदीयमान वाणिज्यिक राजधानी में पले बढ़े स्वामी जी हमेशा से आश्वस्त थे कि जीवन के सतही, रोजमर्रा की खुशियों और दुःखों से परे ऐसा कुछ है जो अधिक स्थायी और संतोषजनक है। किशोरावस्था में उनका सम्पर्क वेदान्त ज्ञाता गुरूदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी से हुआ। उन्होंने गुरूदेव तथा स्वामी तेजोमयानन्द के मार्गदर्शन में गहन प्रशिक्षण के लिये हांगकांग में अपने परिवार के सम्पन्न व्यवसाय को भी छोड़ दिया। सन् 1992 से उन्होंने एक तपस्वी का जीवन प्रारम्भ किया तब से लेकर आज तक उन्होंने दुनिया भर में हजारों लोगों का मार्गदर्शन किया। सभी धर्मों में निहित समान आवश्यक ज्ञान को लोगों तक पहुंचने के लिए अथक प्रयास किया, जिसने उन्हें आत्म विकास दर्शन के महापंडितों की श्रेणी में विशेष स्थान पर पहुंचा दिया।

स्वामी जी ने अनेकों महत्वपूर्ण आध्यात्मिक क्लासिक्स जैसे एक ओंकार, महामृत्युजंय मंत्र तथा संकट मोचन पर टिप्पणियां लिखी हैं। साथ ही समकालीन जीवन शैली से संबंधित विषयों पर अनेकों पुस्तकें लिखीं। उनमें से कुछ हैं– Simplicity and Meditation, Storm to Perform, Avtar, Managing the Manager तथा Journery into Health.

स्वामी जी वरिष्ठ कॉरपोरेट अधिकारियों के लिये सम्पूर्ण प्रबंधन सेमीनार आयोजित करने में समान रूप से दक्ष है। विश्व के प्रसिद्ध संस्थानों जैसे द फोर्ड, लंदन बिजनेस स्कूल तथा हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने स्वामी जी को व्याख्यान के लिये आमंत्रित किया है।

स्वामी जी ने चिन्मय मिशन आस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका तथा सुदुर पूर्व में क्षेत्रीय प्रमुख का कार्य किया। वर्तमान में स्वामी जी चिन्मय विश्वविद्यापीठ ट्रस्ट (सांस्कृतिक एवं इंडिक ट्रेडिशन्स विश्वविद्यालय) के अध्यक्ष तथा चिन्मय अंतर्राष्ट्रीय आवासीय विद्यालय कोयंम्बटूर के निदेशक पद को सुशोभित कर रहे हैं तथा स्वामी तेजोमयानन्द जी के आशीर्वाद से स्वामी स्वरुपानन्द जी चिन्मय मिशन वर्ल्डवाइड के प्रमुख हैं।

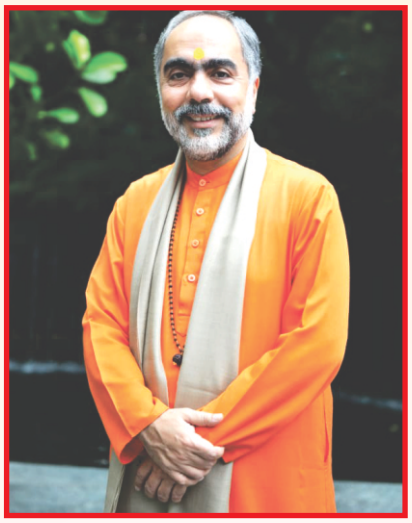

Swami Swaroopananda
Global Head, Chinmaya Mission

MESSAGE

The year 2025 marks a significant milestone for the Global Chinmaya Mission family as we celebrate 50 glorious years of Chinmaya Yuva Kendra. With the motto of 'Harnessing youth potential through dynamic spirituality', Pujya Gurudev Swami Chinmayananda inspired millions of young individuals to tap into their true potential and achieve success and happiness, irrespective of life's circumstances.

In alignment with this grand vision and rooted in the cornerstone of the Chinmaya Vision Programme, Chinmaya Degree College serves as an exceptional platform for the youth of our country. It not only fosters academic excellence but also instils strength of character and a noble purpose in life.

As Pujya Gurudev says, "Noble and dynamic work cannot but yield success." With such a combination of head and heart, when we work in the world, discovering one's infinite potential becomes the ultimate goal, and success is simply a by-product.

I invoke Pujya Gurudev's Blessings and extend my heartfelt wishes to the management and staff of Chinmaya Degree College, Haridwar, for their continued growth and success in serving the noble cause of Nation-building.

Swami Swaroopananda
Global Head, Chinmaya Mission
Chancellor, Chinmaya Vishwa Vidyapeeth

MESSAGE

Dear young leaders,
Hari Om, Namaste!

Once few college students were asked, “what is the most challenging thing you face today?” There were multiple answers; like choosing what is right against what is easy, uncertainty and fear of future, unrealistic expectations of the society and discovering their own identity. In fact, every challenge is an opportunity for growth and challenges lead one to the growth zone.

Our Pujya Gurudev says,
“You alone are responsible for what you make of yourself.
Do not blame others for your conditions, you are what you are because of the choices you made.”

When there is a firm goal and the conviction to achieve, one will sacrifice what appears easy and choose the right though it may appear to be harder. To sacrifice the lower for the higher is the law of growth. Youth is a phase of immense potential filled with opportunities but decision making during this time is overwhelming for the youth. When the vision is narrow, short-term temptations may distract one from taking the right choices. The real test is in life when a youngster is faced with challenges, does he or she stand up for the right? Or chooses to compromise for the sake of convenience? Majority conveniently choose to take short cuts and the easy way forward and lose sight of their goals. Yielding to temptations for short term benefits, hinders the youth in manifesting their own potential. Our Pujya Gurudev also gives warning to the youth: “Be aware of your own self to navigate your journey, otherwise Beware of the temptations and distractions which will take you away from your own goals.”

Let our youngsters be guided by wisdom and make the best out of their own journey of life.

With best wishes,

Shanti Krishnamurthy
Director, CCMT Education Cell

MESSAGE FROM THE COMMITTEE OF MANAGEMENT

To understand the Vision, Mission and Values of Chinmaya Degree College we have only to read a few lines penned by the great masters.

Gurudev, His Holiness Swami Chinmayanandaji's 'vision' put in Gurudev's own words: "Chinmaya Mission educational institutions must silently create mighty men of Character and Action. The students will then be the creative creators of tomorrow's world". Guruji, His Holiness Swami Tejomayanandaji's focus areas are also spelt out clearly in the 'goals' identified by the Chinmaya Education Institutions which read: "Chinmaya Education Institutions are determined to achieve the threefold goal of education:Vision, Spirit of Service and Efficiency."

The College is managed by a dedicated team of Management. The Managing Committee is composed of members nominated by Chinmaya Mission and BHEL. The college has highly qualified faculty and an efficient administrative team led by the Principal.

Thank you for choosing to join Chinmaya Degree College, Haridwar. And remember, the Chinmaya Degree College 'goal' is not only to achieve academic excellence, but also to inculcate the spirit of SERVICE BEFORE SELF in the students and staff, so as to serve the cause of Nation Building.

We are more than certain, your innings with us in the college,will be most rewarding.

May 2G (God and Guru's) grace and blessings be upon you and your family.

With Prem and Om.
Committee of Management

MESSAGE

|| Om Shree Chinmaya Sadgurave Namah ||

As we welcome 2025, it gives me immense joy to extend warm wishes to all members of our Chinmaya Degree College-management, faculty, staff, and dear students. This year also marks a significant milestone: the 50th year of Chinmaya Yuva Kendra (CHYK), carrying forward Pujya Gurudev's inspiring motto, "Harnessing Youth Potential through Dynamic Spirituality."

Our College, nestled in the sacred city of Haridwar, continues to shine as a center of learning and values. The New Year is an opportunity for us to realign with our purpose and grow holistically. This presents an excellent opportunity for all students to dream big and channel your efforts toward academic and spiritual excellence. We are deeply appreciative of the unwavering commitment of the faculty and staff member to fostering these young minds. The leadership of our manangement (CES) will continue to enable the College to rise to new heights.

Let us draw inspiration from the teachings of Pujya Gurudev and do our best in bringing out that which is the best in each of us. Together, may we build a future that reflects the values of Jnanam (knowledge), Seva (service) and Kaushalam (efficiency) in all walks of life.

With prayers and best wishes for a year of peace, growth, and fulfillment.

Swami Avyayananda
Chinmaya Mission Delhi

MESSAGE FROM THE PRINCIPAL

It gives me immense pleasure in welcoming all students of Chinmaya Degree College, a Centre of Excellence in Haridwar established by His Holiness, Pujya Swami Chinmayananda Ji in 1989. Chinmaya Degree College is well known for maintaining a high standard of education, and great performance in all spheres and the most congenial atmosphere in which students can grow to their full potential.

The Principal, Teaching as well as the Non-Teaching staff of the college are fully committed to align themselves for achieving the noble objects of the Chinmaya Education Movement.

I feel blessed and honoured to lead this reputed college and the dedicated and highly competent team of staff members. The invaluable trust of our parents, blessings of well-wishers, and most importantly our loving students, continue to inspire us to add more laurels and take the college to greater heights.

The Principal and staff will do everything to ensure your 'college life' as students is enjoyable and a memorable experience. I wish you all the best and good luck.

Godspeed.

Dr. Alok Agarwal
Principal

CHINMAYA DEGREE COLLEGE
BHEL, HARIDWAR

MANAGING COMMITTEE

(Session : 2024-2025)

1.	Col Rakesh Sachdeva (Veteran-Indian Army)	Chairman
2.	Sh Augustin XaXa	Vice-chairman
3.	Dr Indu Mehrotra	Secretary
4.	Dr Shalini Joshi	Joint Secretary
5.	Cdr Amod Choudhary (Veteran-Indian Navy)	Member
6.	Dr Radhika Nagrath	Member
7.	Sh Harish Singh Bagware	Member
8.	Sh Harsh Goyal	Member
9.	Dr Alok Agarwal	Principal & Ex officio member
10.	Dr Ruchira Chowdhary	Director SFS & Ex officio member
11.	Dr P.K. Sharma	Member
12.	Dr Manisha	Member
13.	Sh Rakesh Gupta	Member

MISSION PLEDGE

We stand as one family
bound to each other with love and respect.
We serve as an army,
courageous and disciplined,
ever ready to fight
against all low tendencies and false values
within and without us.
We live honestly
the noble life of sacrifice and service,
producing more than what we consume
and giving more than what we take.
We seek the Lord's grace
to keep us on the path of virtue,
courage and wisdom.
May thy grace and blessings
flow through us
to the world around us.
We believe that the service of our country
is the service of the Lord of Lords,
and devotion to the people
is devotion to the Supreme Self.
We know our responsibilities.
Give us the ability and courage to fulfill them.

Om Tat Sat

चिन्मय मिशन प्रतिज्ञा

हमारी स्थिति है एक परिवार के समान
प्रेम और सम्मान से परस्पर आबद्ध,
हम सेवा रत हैं एक सेना के समान–
साहसी और अनुशासित–
कटिबद्ध हैं संघर्ष करने को
निम्न वृत्तियों और थोथे आदर्शों के विरूद्ध
जिनका जाल है हमारे अन्दर और बाहर सर्वत्र।

हम जीते हैं ईमानदारी से
त्याग और सेवा का जीवन
उत्पन्न करते हैं उपभोग से अधिक
लेते हैं जितना देते हैं कहीं अधिक।
हम बने हैं आकांक्षी प्रभु की कृपा के
जो चलावें हमें गुण, साहस और ज्ञान के मार्ग पर।
आप की कृपा और आशिष, हे प्रभो!
हमारे माध्यम से बहे
विश्व में चारों और!

हमारा विश्वास हैं कि स्वेदश सेवा ही
परमेश्वर की सेवा है
और जनता की भक्ति ही
परमात्मा की भक्ति है।
हम समझते हैं अपना दायित्व
दो योग्यता और साहस कि हम पूरा करें उसे।

ओम् तत्सत्

THE COLLEGE

A brief introduction

True wisdom is to know what is likely to happen. These words can be best ascribed to Swami Jyothirmayananda, the Late Chief Sevak of Delhi Chinmaya Sewa Trust. He was the main architect who responded to the call given by the Board of Directors of the Bharat Heavy Electricals Limited, Haridwar in 1987, for establishing a Science Degree College in their premises. Since then the efforts continued and the College was approved by the State Government of Uttar Pradesh on 13th March 1989. U.P. Government put the college on grant-in-aid list from 3rd Oct., 1994.

The history of its genesis rested on the collaboration with BHEL. Among those, who responded to our offer of Service and deserve mention in these pages, are Sri P.S. Gupta, the then Chairman, BHEL, Late Sri D.V. Bhatnagar, G.M.(I) and Sri R.D. Shukla, the then G.M. (P&A) , BHEL. The efforts culminated in laying the foundation of the College on 16th May 1989. The then Chief Minister, Sri Narayan Dutt Tiwari, inaugurated the College amidst the chanting of Vedic hymns and the blissful radiations of Pujya Gurudev's spiritual aura. College opened its portal for youth on 11th December 1989.

Chinmaya Degree College represents and reflects the original concern of Pujya Gurudev H.H. Swami Chinmayananda for Indian roots of education, its rich heritage and culture and will continue to reflect it at graduate and post-graduate levels of education in future too. This College is just an extension of Chinmaya Mission's vast network of educational and social service institutions spread all over India and abroad. It can justifiably take pride in having an enviable record in academics and extra-curricular fields in a span of its 35 years of existence.

महाविद्यालय

संक्षिप्त परिचय

दूरदर्शी व्यक्ति को भविष्य का ज्ञान होता है। यह लोकोक्ति दिल्ली चिन्मय सेवा ट्रस्ट के मुख्य सेवक स्वामी ज्योतिर्मयानन्द के लिये सर्वथा उपयुक्त है। 1987 में भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स लिमिटेड (भेल) हरिद्वार के निदेशक मण्डल की भेल परिसर में एक डिग्री कॉलेज खोलने की प्रार्थना को मूर्त रूप देने में स्वामी जी ही मुख्य प्रणेता थे। इसके पश्चात ये प्रयास फलीभूत हुए तथा तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 13 मार्च 1989 को इस महाविद्यालय की स्थापना का अनुमोदन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने 3 अक्टूबर 1994 से महाविद्यालय को वेतन अनुदान सूची में शामिल कर लिया।

चिन्मय महाविद्यालय की स्थापना में भेल प्रशासन हरिद्वार की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस पुनीत कार्य में योगदान देने के लिये सर्व श्री पी0 एस0 गुप्ता (तत्कालीन महाप्रबन्धक, भेल), श्री डी0वी0 भटनागर (तत्कालीन महाप्रबन्धक, कारखाना, भेल) एवं श्री आर0 डी0 शुक्ला (तत्कालीन महाप्रबन्धक, प्रशासन एवं कार्मिक, भेल) का अथक प्रयास सराहनीय रहा है। इन सभी के सामूहिक प्रयासों की परिणति 16 मई 1989 को महाविद्यालय की स्थापना के रूप में हुई। इस दिन पूज्य गुरूदेव चिन्मयानन्द जी की उपस्थिति में उ0प्र0 के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नारायण दत्त तिवारी ने वैदिक मंत्रों के बीच इस महाविद्यालय का उद्घाटन किया। छात्रा–छात्राओं के लिये महाविद्यालय में 11 दिसम्बर 1989 से शिक्षण कार्य आरम्भ हुआ।

चिन्मय महाविद्यालय भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध संस्कृति से सम्बद्ध पूज्य गुरूदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी के मूल विचारों को प्रदर्शित एवं प्रचारित करता है। यह महाविद्यालय समस्त विश्व में फैले विशाल चिन्मय मिशन के शैक्षिक एवं सामाजिक संस्थानों का एक विस्तार मात्र है। 1989 से अब तक 35 वर्ष की अवधि में शैक्षिक एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में निर्बाध प्रगति के परिणाम स्वरूप इस महाविद्यालय को उत्तराखण्ड शासन ने हरिद्वार जनपद के आदर्श महाविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की है।

DISCIPLINE :

The Proctorial Board of the College looks after the discipline and decorum of life in college campus. It also looks after the welfare of the students and enforcement of the rules and regulations of the college and the University authorities.

Students have to occupy themselves with academic pursuits through out the working time in the college. Free periods may be spent in the Library, where books, periodicals and news papers are available.

Students are subject to the disciplinary jurisdiction of the College and University and have to abide by the rules and regulations issued from time to time.

The Proctorial Board deals with all cases of indiscipline. "Discipline" is the observance of good conduct as a student. Breach of discipline inter alia includes -

a) Irregularity in attendance, persistent negligence or indifference towards the work assigned.

b) Causing disturbance to a class or the office or the library or any games programme or college function.

c) Disobeying the instructions of teachers or administrative authorities of the college.

d) Misconduct or misbehaviour of any kind at the time of meeting or during curricular or extracurricular activities.

e) Misconduct or misbehaviour of any kind during the examinations, inter-college competitions and games.

f) Misconduct or misbehaviour of any kind towards a teacher or any employee of the college, University or another institution, or any member of the Statutory Board of the University or any visitor to the college, University or another institution.

g) Causing damage to the furniture or any property of the college or any other institution of the University

h) Uniform is decided for college students. Girls to attend the college in plain white salwar suits and Red Jaipuri chunni. Boys to attend the College in grey pant and plain white shirt. Plain black sweater, cardigan or blazer and black tie is prescribed in winter uniform. Colour of trousers is S. Kumar's quality shade No. 178.
Married Girls may wear pink coloured salwar suit

i) Use of Mobile Phones by the students is prohibited in the class Room, Lobby & Laboratory .

j) Inciting others or abetting them to indulge in any unlawful activity.

k) Giving publicity to misleading reports or remorse among the students.

l) Using abusive and profane language in the college campus.

m) Smoking in the college premises.

n) Attitude of non-seriousness towards studies or other activities of the college.

o) Ragging is strictly prohibited in college premises. Strong action will be taken according to the directions issued by the Honorable Supreme Court of India.

Each student shall have to submit himself/herself to the code of disciplinary jurisdiction of the Principal, the Vice-Chancellor and other authorities of the College-University in whom may be vested the authority to exercise discipline under the Acts, the Statutes, the Ordinances and rules that have been framed by the College and the University.

Students are strictly advised not to bring outsiders with them in the college premises, If any outsider is found in the campus without approval, he/she may be handed over to the police and strict disciplinary action shall be taken against the student who directly or indirectly brought such outsider/outsiders in the college premises. Such students may even be expelled from the college.

FACILITIES :

SPORTS AND GAMES :

Facilities of Gymnasium, outdoor and indoor games : like Cricket, Basket Ball, Volley Ball, Chess, Kabbdi, Race, Carom and Athletics are provided under the supervision and guidance of the Convener, Sports Committee.

CANTEEN : There is a well established canteen in the college campus for refreshment for students and the staff.

LECTURES AND SEMINARS :

Distinguished men of letters in sciences, technology and human affairs are invited to address the students under the extension lectures programme. Seminars and panel discussions are arranged to inculcate original thinking and expression among the students.

CULTURAL SOCIETY :

There is a society to look after the social and cultural activities of the college. It comprises of a board of six faculty/ staff members and four students members.

COLLEGE MAGAZINE :

The College brings out an annual maganize 'Chinmaya' to encourage literary efforts among the students. It includes contributions by the students, reviews of educational, cultural, social and sports activities of the college.

पत्रांक डिग्री सेवा / 1677–1756 / 2009–10 / दिनांक 05 जून 2009

विषय : मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र सं0–54 / xxiv (6) / 2009 / दिनांक 28 मई 2009 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में।

सूच्य है कि भारत के उच्चतम न्यायालय के पत्र सं0–370 / 04 / xi– । दिनांक 26 फरवरी 2009 एवं 17 मार्च 2009 द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों को रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आज्ञा से
निदेशक (उ0शि0), उत्तराखण्ड
हल्द्वानी (नैनीताल)

नोटः प्रवेश लेने वाले समस्त अभ्यर्थी यू0जी0सी0 वेबसाइट से एन्टी रैगिंग का शपथ पत्र भरकर तथा उसे डाउनलोड करके, प्रतिलिपि प्रवेश समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

अनुशासन

महाविद्यालय की नियन्ता परिषद द्वारा कानून व्यवस्था का संचालन होता है। यह परिषद छात्र कल्याण तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय नियमों के पालन का भी ध्यान रखती है। विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में केवल शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेना होगा। रिक्त समय में विद्यार्थियों को पुस्तकालय में पुस्तक, समाचार पत्र, सामयिकी इत्यादि का अध्ययन करना चाहिए। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर प्रसारित नियमों तथा परिनियमों का पालन करना होगा। नियन्ता परिषद के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियाँ अनुशासनात्मक कार्यवाही के अन्तर्गत आयेंगी।

(1) महाविद्यालय में अनियमित उपस्थिति होने पर तथा शैक्षणिक गतिविधियों के लिए लापरवाही करने पर।

(2) कक्षा में अध्ययन–अध्यापन के समय, कार्यालय में, पुस्तकालय में तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विघ्न डालने पर।

(3) शिक्षकों तथा महाविद्यालय के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निर्देशों का पालन न करने पर।

(4) सम्मेलन में तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तराल में अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त रहने पर।

(5) परीक्षाकाल में तथा क्रीड़ा स्थल पर अनुशासन तोड़ने पर।

(6) शिक्षकों, कर्मचारियों, आगन्तुकों एवं विश्वविद्यालय के संवैधानिक परिषद के सदस्यों के साथ अभद्रता करने पर।

(7) महाविद्यालय के फर्नीचर तथा अन्य सम्पत्तियों को क्षति पहुँचाने पर।

(8) **महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पोशाक पहनकर आना अनिवार्य हैं। छात्रायें सादा सफेद सलवार सूट एवं गहरा लाल जयपुरी चुन्नी धारण करेंगी तथा छात्र सादी सफेद कमीज एवं स्लेटी पतलून धारण करेंगे। सादा काला स्वेटर , कार्डिगन कोट तथा काली टाई शीत कालीन पोशाक के लिए निर्धारित है (पतलून का स्लेटी रंग एस कुमार क्वालिटी शेड नं0 178 नमूने में दिये गये स्लेटी रंग से मिलना चाहिये)।**

विवाहित छात्राएं गुलाबी रंग का सूट सलवार पहन सकती हैं।

(9) **महाविद्यालय में कक्षा, लॉबी एवं प्रयोगशाला में मोबाईल फोन का प्रयोग वर्जित है।**

(10) किसी विद्यार्थी द्वारा अन्य विद्यार्थियों को अवांछनीय गतिविधियों के लिए उकसाने पर।

(11) विद्यार्थियों के बीच भ्रामक प्रचार करने पर तथा अफवाह फैलाने पर।

(12) महाविद्यालय परिसर में असंसदीय भाषा का प्रयोग करने पर।

(13) महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान करने पर।

(14) महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों के प्रति गम्भीर न होने पर।

(15) **महाविद्यालय परिसर में कोई भी छात्र एवं छात्रायें रैगिंग करते पाये जाने पर मा. उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कानूनी कार्यवाही होगी।**

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रवेश से पूर्व लिखित में यह शपथ पत्र देना होगा कि वह महाविद्यालय प्रशासन एवं विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी नियमावली का पालन करेगा। अन्यथा वह नियमानुसार कानूनी कार्यवाही का पात्र होगा।

प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने साथ किसी भी बाहरी व्यक्ति को महाविद्यालय में न लायें। यदि कभी ऐसा पाया जाता है कि बाहरी व्यक्ति महाविद्यालय परिसर में अवांछित गतिविधियों में संलिप्त है तो सम्बन्धित विद्यार्थी तथा बाहरी व्यक्ति को तुरन्त पुलिस को सौंप दिया जाएगा तथा अन्य कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। ऐसे में सम्बन्धित छात्र का प्रवेश भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया जायेगा।

COURSES OFFERED FOR B.Sc. CLASSES

Under the blessings of Pujya Gurudev, His Holiness Swami Chinmayananda ji, the stewardship of the Management and the dedicated team of the staff members, the following under graduate courses are offered:-

GOVERNMENT AIDED SECTIONS

S.No.	Course	No. of Seats
1.	B.Sc. Bio. Group (Chemistry, Botany & Zoology)	80
2.	B.Sc. Maths Group (Physics, Chemistry & Mathematics)	80

UNDER SELF FINANCED SCHEME

S.No.	Course	No. of Seats
1.	B.Sc. Computer Science, Physics & Mathematics	80
2.	B.Sc. Microbiology , Zoology & Botany	60

Note :

1. **Candidates have to use separate application form for admission in different disciplines**
2. Increase in the number of seats for economically backward section of General Caste will be according to university guidelines.

Course offered for M.Sc. Classes (under Self Finance Scheme)

1. M.Sc. Computer Science - 20 seats
2. M.Sc. Microbiology - 30 seats
3. M.Sc. Chemistry - 25 seats
4. M.Sc. Biotechnology - 20 seats
5. M.Sc. Zoology - 25 seats
6. M.Sc. Physics - 25 seats

LEEP

LIFE EMPOWERMENT AND ENRICHMENT PROGRAMME

(जीवन सशक्तिकरण तथा परिस्करण कार्यक्रम)

चिन्मय मिशन के उद्देश्यों एवम् भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित यह युवाओं के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसकी प्रमुख विशेषतायें निम्नवत् हैं।

1. यह कार्यक्रम Central Chinmaya Mission Trust के Education Cell द्वारा प्रकाशित एवं प्रशासित है।
2. यह एक द्विवर्षीय प्रमाण–पत्र (Certificate Course) है। यह स्नातक पाठ्यक्रम के साथ सभी विद्यार्थियों के लिये अनिवार्य होगा। इस कार्यक्रम के लिए पाठ्य पुस्तक पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी। जो विद्यार्थी इस उपयोगी पुस्तक को अपने पास रखना चाहेंगे उन्हें इसका वास्तविक मूल्य 300/–रूपये महाविद्यालय में जमा करना होगा।
3. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम पाठ (Chapter) सं0 1 से 9 तक तथा द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम पाठ (Chapter) 10 से 18 तक होगा।
4. विद्यार्थियों को प्रति सप्ताह एक कालांश (Period) उपरोक्त कार्यक्रम के लिए पढ़ाया जाएगा।
5. LEEP कार्यक्रम में सहभागिता के पश्चात प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु इच्छुक विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार लिखित परीक्षा देना होगा। इस परीक्षा में विद्यार्थी पाठ्य पुस्तक अपने पास रख सकते हैं (open book evaluation system), तथा इच्छुक अभ्यर्थियों को परीक्षा के साथ–साथ, सेवा कार्यों एवं अनुभवों की पंजिका प्रेषित करनी होगी, जिसका मूल्यांकन CCMT Education Cell द्वारा किया जाएगा।

मूल्यांकन के उपरान्त प्रमाण–पत्र CCMT Education Cell तथा महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से दिया जाएगा। प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को 200/–रूपये शुल्क के रूप में देना होगा, यद्यपि यह अनिवार्य नहीं है।

उपरोक्त कार्यक्रम युवाओं के नैतिक उत्थान के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह किसी धर्म व सम्प्रदाय विशेष से सम्बन्धित नहीं है।

प्रवेश नियम (सत्र 2024–2025)

1. स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिये प्रत्येक महाविद्यालय/संकाय में सम्बन्धित प्राचार्य/संकायाध्यक्ष प्रवेश समितियों का गठन करेंगे, जोकि अलग–अलग संकायों में प्रवेश से सम्बन्धित कार्यों का दायित्व पूर्ण करेंगे। तत्सम्बन्धित संकायों में प्रवेश के लिये उक्त समिति और प्राचार्य/संकायाध्यक्ष का निर्णय अन्तिम होगा। समितियों के विधिवत् गठन की सूचना प्राचार्य/संकायाध्यक्ष विश्वविद्यालय को भी प्रेषित करेंगे। प्रवेश समितियों द्वारा आवंटित विषयों में कोई परिवर्तन सम्भव नहीं होगा। प्रवेश का दायित्व प्राचार्य/संकायाध्यक्ष का होगा।

2.(a) स्नातक स्तर (बी.एस.सी.) में छात्र उसी संवर्ग (विषय समूह) में प्रवेश ले सकेंगे जिसका अध्ययन उन्होंने अर्हकारी परीक्षा में किया हो। उस प्रतिबन्ध का आशय यह है कि जिन छात्र–छात्राओं ने 10+2 स्तर पर गणित संवर्ग (भौतिक, रसायन एवं गणित) विषयों का अध्ययन किया हो वह गणित संवर्ग तथा जिन छात्र–छात्राओं ने जीव विज्ञान संवर्ग (रसायन, वनस्पति एवं जन्तु विज्ञान) का अध्ययन किया हो वह जीव विज्ञान संवर्ग में ही प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

(b) स्नातकोत्तर स्तर पर केवल उन्हीं छात्र–छात्राओं को प्रवेश दिया जायेगा जिन्होंने स्नातक स्तर पर संबंधित विषय का अध्ययन किया हो, परन्तु ऐसे विशिष्ट पाठ्यक्रमों (जैसे माइक्रोबॉयोलॉजी, बॉयोटेक एवं कम्प्यूटर विज्ञान) में जिनमें मूल विषय का शिक्षण स्नातक स्तर पर नहीं होता है वे छात्र–छात्राऐं आवेदन कर सकेंगे जिन्होंने निम्मानुसार उल्लिखित विषयों का अध्ययन किया हो–

(i) कम्प्यूटर विज्ञान में प्रवेश हेतु स्नातक स्तर पर गणित संवर्ग (भौतिक, रसायन/कम्प्यूटर एवं गणित) में अध्ययन आवश्यक हैं।

(ii) माइक्रोबॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक में प्रवेश हेतु स्नातक स्तर पर जीव विज्ञान संवर्ग (रसायन, वनस्पति एवं जन्तु विज्ञान) में अध्ययन आवश्यक है।

3. स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिये इंटरमीडिएट या समकक्षीय परीक्षा में 45 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये प्रवेश अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों की छूट होगी।

4. आवेदक कॉलेज वेबसाइट पर ऑनलाईन आवेदन भरके हार्ड कॉपी के साथ सम्बन्धित इंचार्ज से सम्पर्क करेंगे।

5. चरित्र प्रमाण–पत्र संस्थागत परीक्षार्थी पूर्व संस्था के प्रधानाचार्य का तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थी किसी राजपत्रित अधिकारी, लोकसभा/विधानसभा/विधान परिषद् के सदस्य अथवा किसी महाविद्यालय के प्राचार्य/नियन्ता की मूल प्रति संलग्न करें।

6. अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों को आरक्षण इस प्रकार है अनुसूचित जाति 15%, अनुसूचित जनजाति 7.5%, तथा अन्य पिछड़े वर्ग 27%। इसके अतिरिक्त उपरोक्त में प्रत्येक श्रेणी में क्षैतिज आरक्षण इस प्रकार है– महिलाएं 30%, भूतपूर्व सैनिक या उन पर आश्रित 5%, दिव्यांग 3%, तथा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आश्रित 2%। **अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों को अपने माता–पिता का पूर्व वित्तीय वर्ष का गैर क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।**

7. प्रवेशार्थी को महाविद्यालय के सूचना पट पर प्रवेश सम्बन्धी सूचनायें देखते रहना चाहिये।

8. प्रवेश के पूर्व ही स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जमा करना आवश्यक है। किसी अन्य विश्वविद्यालय के छात्र को एक माह के अन्दर प्रवजन प्रमाण–पत्र (माइग्रेशन) जमा करा देना चाहिये। अन्यथा अस्थाई प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।

9. अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को किसी भी कक्षा एवं संकाय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। इस विश्वविद्यालय से अनुत्तीर्ण छात्र भूतपूर्व/व्यक्तिगत छात्र के रूप में परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष के छात्र को अनुत्तीर्ण होने अथवा चिकित्सा के आधार पर व अन्य वैध कारण के केवल एक बार संकाय बदल कर प्रवेश दिया जा सकता है। प्रवेश लेने से पूर्व प्रत्येक छात्र को स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र/प्रवजन प्रमाण–पत्र एवं चरित्र–प्रमाण पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

10. छात्र/छात्राओं को स्नातक स्तर पर छह वर्ष तथा स्नातकोत्तर स्तर पर चार वर्ष की अवधि तक के लिये ही संस्थागत विद्यार्थी के रूप में अध्ययन करने की सुविधा रहेगी, जिसमें एक वर्ष के गैप भी सम्मिलित रहेगा। (यह नियम व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू नहीं होगा)। केवल वे ही छात्र भूतपूर्व छात्र का लाभ ले सकेंगे जिन्होंने पूरे सत्र का अध्ययन किया हो अथवा विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश पत्र/अनुक्रमांक दिया गया हो और वह चिकित्सा के आधार पर आवेदन करता हो। ड्रापर विद्यार्थी को अनुत्तीर्ण माना जायेगा। ड्रापर को संस्थागत छात्र के रूप में पुनः प्रवेश नहीं दिया जायेगा। ड्रापर की परिभाषा, किसी छात्र ने यदि प्रवेश आवेदन पत्र भरने के पश्चात प्रवेश ले लिया हो, होगी।

11. जिन छात्रों की गतिविधियां अनुशासन मण्डल / प्रशासन की राय में अवांछनीय है उन्हें प्रवेश लेने से रोका जा सकता है / निकाला जा सकता है / प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।
12. संकाय अथवा विषय बदलकर उसी कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा जिसकी परीक्षा विद्यार्थी एक बार उत्तीर्ण कर चुका हो अर्थात एक संकाय की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात उसी कक्षा / दूसरे संकाय में प्रवेश नहीं ले सकेगा। यह नियम व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू नहीं होगा अर्थात् एक बार स्नातक / स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात पुनः स्नातक / स्नातकोत्तरण कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा, उदाहरणार्थ यदि किसी छात्र ने एम0ए0 अर्थशास्त्र उत्तीर्ण कर लिया हो तो उसे कला संकाय के अन्य किसी विषय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा और न ही वह किसी अन्य संकाय की समकक्ष कक्षा में प्रवेश ले सकता है।
13. अनुचित साधन के अन्तर्गत दण्डित छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
14. पंजीकरण की अन्तिम तिथि के पश्चात जमा किया गया आवेदन पत्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
15. जिन प्रवेशार्थियों को प्रवेश समिति / संकायाध्यक्ष / प्राचार्य प्रवेश प्रदान करेंगे उनकी सूचना समय–समय पर सम्बन्धित विषयों के विभागाध्यक्षों को दी जायेगी। इन्हीं सूचीयों के आधार पर विभिन्न विभागों की छात्र उपस्थिति पंजिकाओं में छात्र / छात्राओं के नाम पंजीकृत किये जायेंगे। अलग से विषय स्लिप छात्र / छात्रा को नहीं दी जायेगी। प्रवेशार्थी सूचनापट पर प्रकाशित सूचियों के आधार पर निर्धारित तिथि के अन्दर अनिवार्य रूप से सभी शुल्क सम्बन्धित काउन्टरों पर जमा करेंगे। शुल्क लिपिक शुल्क रसीद में भी आवंटित विषयों को अंकित करेंगे।
16. छात्र / छात्रा के परिचय पत्र में भी आवंटित वर्ग का उल्लेख किया जायेगा।
17. अर्हता परीक्षा (क्वालिफाइंग एग्जामिनेशन) उत्तीर्ण करने के उपरान्त अधिकतम तीन वर्ष के अन्तराल (गेप) पर ही प्रवेश दिया जायेगा अन्यथा की स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। यह नियम व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू नहीं होगा।
18. संस्थागत छात्र उपाधि हेतु एक ही सत्र में अन्य किसी शिक्षा संस्थान में प्रवेश नहीं लेगा और न ही अन्य उपाधि हेतु परीक्षा में शामिल होगा। यदि कोई छात्र / छात्रा इस नियम का उल्लंघन कर परीक्षा में शामिल हो जाता है तो विश्वविद्यालय द्वारा उसकी परीक्षा निरस्त की जायेगी।
19. छात्र द्वारा जमा की गयी प्रतिभूति धनराशि (सिक्योरिटी) उसके उत्तीर्ण होने के एक वर्ष तक ही सुरक्षित रखी जायेगी। तदोपरान्त वह निरस्त समझी जायेगी। बी.एस–सी. के छात्र / छात्रा सिक्योरिटी फार्म 1 अक्टूबर से 30 जनवरी तक तथा एम.एस.सी. के छात्र / छात्रा सिक्योरिटी फार्म साल में दो बार 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तथा 1 फरवरी से 28 फरवरी तक कार्यालय से प्राप्त कर जमा करवा सकते हैं।
20. उत्तराखण्ड प्रदेश के अभ्यर्थियों के अतिरिक्त अन्य प्रदेशों के अभ्यर्थियों को प्रवेश पूर्व अपना पुलिस वेरिफिकेशन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
21. प्रवेश के समय अभिभावक तथा छात्र / छात्रा की ओर से रेगिंग विरोधी एफिडेविट देना अनिवार्य है तथा यह ऑनलाइन भरकर प्रतिलिपि महाविद्यालय में जमा होगी।

नोट : प्रवेश सम्बन्धी प्रक्रिया में यदि विश्वविद्यालय अथवा राज्य सरकार द्वारा कोई परिवर्तन होता है तो वह सूचना पट पर लगा दिया जायेगा।

CUET (Comman University Entrance Test)

बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया

बी0एससी0 प्रथम सेमेस्टर के सभी वर्गों के प्रवेश सीयूईटी की परीक्षा के आधार पर होंगे–
प्रवेश के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को हे.न.ब.ग.वि.वि. के समर्थ पोर्टल पर चिन्मय डिग्री कॉलेज का चयन करते हुये पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इसके पश्चात कॉलेज वेबसाइट पर जाकर प्रवेश फार्म को भरना है तथा इसकी हॉर्डकॉपी निकालकर महाविद्यालय में लाकर सम्बन्धित इंचार्ज के समक्ष उपस्थित होकर प्रवेश फार्म के साथ सभी दस्तावेजों को सत्यापित कराना अनिवार्य है। दस्तावेजों का सत्यापन होने के उपरान्त महाविद्यालय वेबसाइट पर प्रवेश शुल्क जमा कराना है तथा शुल्क की रसीद लाकर सम्बन्धित इंचार्ज को देनी है तभी प्रवेश मान्य होगा।

उल्लेखनीय बिन्दुः

यदि कोई आरक्षित सीट अर्ह अभ्यर्थी के न होने के कारण रिक्त रह जाती है तो वह सीट अंतिम निर्धारित तिथि के पश्चात तीन दिन में सामान्य श्रेणी के अर्ह अभ्यर्थी द्वारा भरी जायेगी।

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु योग्यता सूची निर्धारण नियम

हे.न.ब.ग.विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा (UET)

एम0एससी0 प्रथम सेमेस्टर के सभी वर्गों के प्रवेश यूईटी की परीक्षा के आधार पर होंगे–
प्रवेश के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को हे.न.ब.ग.वि.वि. के समर्थ पोर्टल पर चिन्मय डिग्री कॉलेज का चयन करते हुये पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इसके पश्चात कॉलेज वेबसाइट पर जाकर प्रवेश फार्म को भरना है तथा इसकी हॉर्डकॉपी निकालकर महाविद्यालय में लाकर सम्बन्धित इंचार्ज के समक्ष उपस्थित होकर प्रवेश फार्म के साथ सभी दस्तावेजों को सत्यापित कराना अनिवार्य है। दस्तावेजों का सत्यापन होने के उपरान्त महाविद्यालय वेबसाइट पर प्रवेश शुल्क जमा कराना है तथा शुल्क की रसीद लाकर सम्बन्धित इंचार्ज को देनी है तभी प्रवेश मान्य होगा।

उल्लेखनीय बिन्दुः

यदि कोई आरक्षित सीट अर्ह अभ्यर्थी के न होने के कारण रिक्त रह जाती है तो वह सीट अंतिम निर्धारित तिथि के पश्चात तीन दिन में सामान्य श्रेणी के अर्ह अभ्यर्थी द्वारा भरी जायेगी।

उपस्थिति नियम
(सत्र 2024–2025)

शासनादेश संख्या 528(1)15–(उ.शि.)71/97 दिनांक 11 जून 1997 के अनुसार कोई भी छात्र विश्वविद्यालय की किसी भी परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति तब तक प्राप्त नहीं कर सकेगा जब तक वह व्याख्यान और ट्यूटोरियल कक्षाओं में पृथक–पृथक 75 प्रतिशत पूरी नहीं करता। विज्ञान के विषयों अथवा ऐसे अन्य विषयों में जिनमें प्रयोगात्मक कक्षायें होती हैं, प्रयोगात्मक कक्षाओं में प्रयोगात्मक कार्य की अवधि में 75 प्रतिशत उपस्थिति अपेक्षित होगी।

निम्नलिखित स्थितियों में पूरे सत्र में किसी विषय में, व्याख्यान और सेमिनार/प्रयोगात्मक कक्षाओं में पृथक–पृथक 6 प्रतिशत तक छूट संकायाध्यक्ष (डीन)/प्राचार्य द्वारा तथा 9 प्रतिशत छूट कुलपति द्वारा दी जा सकती है।

1. (अ) विद्यार्थी की लम्बी और गम्भीर बीमारी में कक्षा में सम्मिलित होने के 15 दिन के अन्दर यदि विद्यार्थी ने चिकित्सा प्रमाण पत्र दाखिल कर लिया हो। या

   (ब) इसी के समकक्ष किसी अत्यन्त विशेष परिस्थिति में समुचित कारण देने पर।

2. विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर स्नातक छात्र को विशेष अध्ययन के निमित्त किसी अन्य विश्वविद्यालय, संस्थान तथा उच्च अध्ययन के लिये किसी केन्द्र में व्याख्यान, प्रयोगात्मक कार्य के लिये कुलपति द्वारा 6 सप्ताह तक की अवधि की अनुमति दिये जाने पर कुलपति द्वारा उपस्थिति न्यूनता का मार्जन किया जा सकेगा। इसके लिये विश्वविद्यालय में अपनी उपस्थिति सूचित करने के एक सप्ताह के भीतर विद्यार्थी को उस संस्थान के जहाँ विद्यार्थी ने अध्ययन किया है, अध्ययन कक्षाओं में उपस्थित, प्रयोगात्मक कार्य, पुस्तकालय में कार्य करने की तिथियों के निर्देश सहित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

3. विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा आयोजित एन.सी.सी. शिविर, खेलकूद के समारोह, राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर, शैक्षणिक पर्यटन में भाग लेने अथवा भारतीय सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के लिये साक्षात्कार के निमित्त जाने पर उपस्थित न्यूनता मार्जन कर दिया जायेगा बशर्ते सम्बन्धित सक्षम अधिकारी से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र अनुपस्थित रहने के एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया गया हो।

Session 2024 -2025

B.Sc. Fee Chart (in rupees)

1. Govt. Aided Section

	Math		Biology	
B.Sc. Part	Boys	Girls	Boys	Girls
I	7176	7044	7426	7294
II	6876	6744	7126	6994
III	6876	6744	7126	6994

2. Under Self Finance Scheme (SFS)

S.No.	Courses	Boys	Girls
1	B.Sc. I Computer	15200	15100
2	B.Sc. I Microbiology	15600	15500
3	B.Sc. II Computer	14600	14500
4	B.Sc. II Microbiology	15000	14900
5	B.Sc. III Computer	14600	14500
6	B.Sc. III Microbiology	15000	14900

☞ **All Fee must be deposited in Single Instalment.**
Admission fee will be accepted online only. The link is given on college website www.chinmayadc.edu.in

Girls are exempted from payment of Tuition Fee of 132/- per annum by order of Govt. of Uttarakhand.

NOTE

1. Fees once deposited will not be refunded in any case, except in the case of the University is not being able to run the course due to the legal binding or any other reason (as per University Rules)

Course Structure along with credit distribution
For student who select arts, languages and scoial science subjects as on of the core subjects

Course/Subject type	Semester I				Semester II			
	Subject/Title	No. of paper	Credits		Subject/Title	No. of paper	Credits	
			Theory	Practical			Theory	Practical
Core subjects-II	Core subject-I	1	4	2	Core subjects -I	1	4	2
	Core subject-II	1	4	2	Core subjects -II	1	4	2
Additional-Multidisciplinary/Interdisciplinary	M.D.-I/I.D.-I	1	2	2	M.D.-II/I.D.-II	1	2	2
SEC	Skill of subject-I	1	2		Skill of subject-I	1	2	
Value addition course (VAC)	understanding and counecting with environment	1	2		Life skils & personality development	1	2	
Total		5	14	6		5	14	6
Student on exit after successfully completing first year (i.e. securing minimum required 40 credits) will be awarded "Undergraduate Certificate" of one year, in related field/discipline/subject								

Course/Subject type	Semester III				Semester IV			
	Subject/Title	No. of paper	Credits		Subject/Title	No. of paper	Credits	
			Theory	Practical			Theory	Practical
Core subjects-II	Core subject-I	1	4	2	Core subjects -I	1	4	2
	Core subject-II	1	4	2	Core subjects -II	1	4	2
Additional-Multidisciplinary/Interdisciplinary	M.D.-I/I.D.-III	1	2	2	M.D.-II/I.D.-IV	1	2	2
SEC	Skill of subject-II	1	2		Skill of subject-II	1	2	
Value addition course (VAC)	Indian knowledge system-I	1	2		Indian knowledge system-II	1	2	
Total		5	14	6		5	14	6
Community connect course	Minimum 16 hours of service within any semester (I to IV). The courses will be based on community connect Swaach Bharat, Ek baharat Shrestha Bharat, NSS, NCC etc. It will be based on number of hours deveoted under this course. Concenrned department will verify the fulfillment of minimum hours towards CCS.							
Student on exit after successfully completing two years (i.e. srcuring minimum required 80 credits and completion of 16 hours of community service in any one semester) will be awarded "Undergraduate Diploma" of two years in related field/discipline/subject.								

Course/Subject type	Semester V				Semester VI			
	Subject/Title	No. of paper	Credits		Subject/Title	No. of paper	Credits	
			Theory	Practical			Theory	Practical
Core subjects-II	Core subject-I	1	4	2	Core subjects -I	1	4	2
	Core subject-II	1	4	2	Core subjects -II	1	4	2
Field visit/Vocational course	Subject- I	1	2	2	Subject-II	1	2	2
Value addition course (VAC)	Communication Skills	1	2		Culture, Traditions and Moral Values	1	2	
Language based course	English	1	2		Hindi	1	2	
Total		5	14	6		5	14	6
Student on exit after successfully completing three years (i.e. securing minimum required 120 credits) will be awarded "Bachelor's Degree" of three years in related field/discipline/subject								

Note- Credits may be vary as per the direction of the university.

COURSES OFFERED AT POST GRADUATION LEVEL

The college provides Post Graduate Courses in following departments run by highly qualified, well experienced teaching staff as well as distinguished academicians of the region as guest faculty.

Under the worthy guidance of the Director SFS Dr Ruchira Chowdhary and incharges of the departments the college is providing best education, knowledge and skills. Consistent efforts are being made to inculcate values of self discipline, professionalism and integrity among the students so that they can provide positive contribution to society and the country.

S. No.	Course & Subject	No. of Seats	Incharge
1.	M.Sc. Biotechnology	20	Dr. Swati Shukla
2.	M.Sc. Chemistry	25	Dr. Ruchira Chowdhury
3.	M.Sc. Computer Science	20	Sh. Santosh Kumar
4.	M.Sc. Microbiology	30	Dr. Deepika
5.	M.Sc. Physics	25	Dr. Omkant
6.	M.Sc. Zoology	25	Ms. Varsha Kunwar

शुल्क सम्बन्धी विवरण 2024-25

विश्वविद्यालय द्वारा स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश शुल्क के सम्बन्ध में प्राप्त शासनादेशों के अनुपालन में स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए शुल्क की दरें निम्नवत् निर्धारित की गई हैं–

Admission Fee (in rupees)

M.Sc.-I Semester (Computer Science)		M.Sc.-I Semester Physics, Chemistry, Zoology		M.Sc.-I Semester Microbiology & Biotechnology	
Tution/Course Fee	14000.00	Tution/Course Fee	11500.00	Tution/Course Fee	18000.00
Univ Reg. Fee	*	Univ Reg. Fee	*	Univ Reg. Fee	*
Univ Enrl Fee (Other Univ Students)	*	Univ Enrl Fee (Other Univ Students)	*	Univ Enrl Fee (Other Univ Students)	*
Security Fee (Refundable)	2000.00	Security Fee (Refundable)	2000.00	Security Fee (Refundable)	2000.00
Total	16000.00	Total	13500.00	Total	20000.00
College Fee		**College Fee**		**College Fee**	
II Sem	14000.00	II Sem	11500.00	II Sem	18000.00
III Sem	14000.00	III Sem	11500.00	III Sem	18000.00
IV Sem	14000.00	IV Sem	11500.00	IV Sem	18000.00

* **University Reg. Fee and University Enrl. Fee (for other University Students) for Ist Semester students will be deposited by the students at the time of filling of University Examination form together with University Exam fee as per directions of University.**

☞ **All Fee must be deposited in Single Instalment.**
The fee of Ist and IIIrd sem must be deposited at the time of admission & fee of IInd and IV sem must be paid till 20th Jan 2024 (else late fine will be charged)
Admission fee will be accepted on line only The link is given on college website www.chinmayadc.edu.in

नोट – छात्रा–छात्राओं द्वारा जमा की गई सिक्योरिटी धनराशि उन्हें उत्तीर्ण होने के पश्चात् उसी वर्ष के नवम्बर माह में वापस की जायेगी। अन्य परिस्थिति में यह शुल्क प्रवेश लेने के एक वर्ष पश्चात् वापस होगा।

NOTE:

1. **Fees once deposited will not be refunded. Details of the Fees Refund: (As per UGC notification)**

Percentage of Refund of fees (as per UGC norms and approved by the statutory body of the College.	Point of time when notice of withdrawal of admission is received by the College.
100%	15 days or more before the formally notified last date of admission.
90%	Less than 15 days before the formally notified last date of admission.
80%	15 days or less after the formally notified last date of admission.
50%	30 days or less, but more than 15 days, after formally notified last date of admission
00%	More than 30 days after formally notified last date of admission.

Note: 5% of the fees paid by the student to be deducted as processing charges from the refundable amount. Bank charges/transaction charges for transfer also to be deducted from the refundable amount. There will be no charges in case of double payments. Fee will be refunded to applicant's account number only.
Note : Details of the fee deposited (copy of receipt to be enclosed with candidate aadhar, pan card and bank passbook/ cancelled cheque).

2. **Science breakage and library fine, if any, shall have to be deposited before the Admit Card for University Examination is issued.**

ACADEMIC STAFF

Principal		
	Dr. Alok Agarwal (Officiating Principal)	M.Sc., Ph.D.
Director SFS		
	Dr. Ruchira Chowdhary (Director Administration)	M.Sc., Ph.D.
	Dr. Madhu Sharma (Director Academics)	M.Sc., Ph.D.
Department of Chemistry		
1.	Dr. Alok Agarwal (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	Dr. A.S. Singh (Associate Professor)	M.Sc., Ph.D.
3.	Dr. Ruchira Chowdhury (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
4.	Ms. Rakhi Goyal, Assistant Professor	M.Sc.
5.	Ms. Shivani Chouhan, Assistant Professor	M.Sc.
6.	Ms. Apoorva Shotri	M.Sc.
7.	Ms. Trandeep Moga	M.Sc.
Department of Physics		
1.	Dr. P. K. Sharma (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	Dr. Om Kant, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
3.	Dr. Rajeev Saxena, Assistant Professor	M.Sc.
4.	Ms. Parinita Bhatt, Assistant Professor	M.Sc.
5.	Ms Deepti Rani	M.Sc.
Department of Mathematics		
1.	Mrs. Surbhi Gupta, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc.
2.	Ms. Muskan Salmani	M.Sc.
Department of Botany		
1.	Dr. (Mrs.) Manisha (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D
2.	Dr. Madhu Sharma, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
3.	Ms. Nevadita Singh, Assistant Professor	M.Sc.
Department of Zoology		
1.	Ms. Mansi, Assistant Professor	M.Sc.
2.	Ms. Prerna Rajput, Assistant Professor	M.Sc.
3.	Ms. Varsha, Assistant Professor	M.Sc.
4.	Sh. Ravi Tiwari	M.Sc.
5.	Sh. Ashish Singh	M.Sc.
Department of Microbiology		
1.	Dr. Deepika, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
2.	Sh. Himanshu Singh, Assistant Professor	M.Sc.
3.	Dr. Nidhi Singh Chauhan, Assistant Professor	M.Sc., Ph.D
4.	Ms. Ragini, Assistant Professor	M.Sc.
5.	Vacant	-
Department of Computer Science		
1.	Sh. Santosh Kumar, Assistant Professor	M.Sc. (CS)
2.	Sh. Ankur Kumar, Assistant Professor	MCA
3.	Mrs. Kritika Arora	MCA
4.	Vacant	-
5.	Vacant	-
Department of Biotechnology		
1.	Dr. Swati Shukla (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
2.	Dr. Jyoti Choudhary, Assistant Professor	M.Sc., Ph.D

Ministerial Staff

Office

1.	Smt. Maya Swami (M.A.)	Clerk
2.	Sh. Sushil Kumar (B.Sc., B.Ed., PGDCA)	Clerk
3.	Sh. Dhananjaya Upadhyay (B.Sc., PGDCA)	Academic Clerk
4.	Sh. Saurabh Gupta (I. Sc.)	Clerk
5.	Sh. Raman Chawla	Clerk
6.	Sh. Om Prakash Shukla	Clerk

Library

1.	Librarian	Vacant
2.	Smt. Vineeta Dhyani (M.A., M.Lib.)	Upper Division Clerk
3.	Ms. Shalu Saini	Clerk

Laboratory

1.	Sh. Vikram Singh Negi, B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Zoology
2.	Sh. Rakesh Kumar Landora, B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Botany
3.	Sh. Rakesh Gupta B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Chemistry
4.	Sh. Abhinav Dhyani Intermediate (Lab. Assistant)	Chemistry
5.	Sh. Rajesh Kumar B.Sc., B.Ed., PGDCA (Lab. Assistant)	Microbiology
6.	Sh. Kamal Mishra, B.Sc. (Lab. Assistant)	Physics
7.	Sh. Rahul Kumar, BSc., MBA (Lab. Assistant)	Biotechnology/Chemistry

IVth Class Staff

1. Sh. Gautam Mahato
2. Sh. Jai Prakash
3. Sh. Rajendra Singh
4. Sh. Naeem Ahmed
5. Sh. Yashpal Singh
6. Sh. Rajbeer Singh
7. Sh. Sonu
8. Smt. Usha Sharma
9. Sh. Hari Om Verma
10. Sh. Chander Singh
11. Sh. Ashok Kumar
12. Sh. Amar Pal Singh
13. Sh. Rajesh Kumar
14. Sh. Sunil Kumar
15. Sh. Raju Kumar
16. Sh. Rajesh Thakur
17. Sh. Raju
18. Sh. Sompal
19. Smt. Rekha

Committees for Corporate Life of the College (2024-2025)

1. NAAC Coordination Committee

i. Dr. Alok Agarwal: Chairman Steering Committee
ii. Dr. Manisha, In-charge IQAC
iii. Dr. P.K. Sharma: Joint In-charge IQAC
iv. Sh. Sourabh Gupta, Sh. D.K. Upadhyaya & Sh. Sushil Kumar
v. Sh. Rahul Kumar: Member Technical Assistant

2. Proctorial Board

i. Dr. Manisha: Chief Proctor
ii. Prof. (Dr) A.S. Singh
iii. Dr. Madhu Sharma: Proctor
vi. Dr. Om Kant: Proctor (In-charge ID Card-SFS)
v. Sh. Himanshu Singh (Proctor)
vi. Sh. Rakesh Landora
vii. Sh. Abhinav Dhyani
viii Sh. Amar Pal
viv. Class Prefect

3. Online Data Updation Committee

i. Dr. Madhu Sharma, Nodal Officer

(A) AISHE Portal Assistant

i. Ms. Nivadita, Member
ii. Mrs. Rakhi Goyal, Member
iii. Ms. Mansi Saini, Member

(B) Samarth Portal

i. Dr. Rajeev Saxena, Member
ii. Ms. Mansi Saini, Member
iii. Mrs. Kritika, Member
iv. Sh. D.K. Upadhaya, Member

(C) National Youth Parliament Scheme/any Govt. Scheme Programme

i. Dr. Madhu Sharma, Member
ii. Dr. Deepika, Member
iii. Ms. Ragini, Member
iv. Mrs. Renu Tandon, Member

(D) Annual Consolidated Report (CCMT Coimbatore)

i. Mrs. Surbhi Gupta, Member
ii. Ms. Nivadita, Member
iii. Ms. Mansi Saini, Member

4. Student Welfare Committee

i. Dr. P.K. Sharma (Dean)
ii. Dr. Ruchira Chowdhury
iii. Dr. Om Kant
iv. Ms. Surbhi Gupta
v. Sh. Himanshu Singh
vi. Sh. Rajeev Saxena
vii. Sh. Rakesh Landora
viii. Class representatives

5. Security Committee

i. Prof. (Dr.) A.S. Singh
ii. Dr. Om Kant
iii. Sh. Ankur Chauhan
iv. Sh. Himanshu
v. Sh. V.S. Negi
vi. Sh. D.K. Upadhyay

6. Purchase Committee

i. Dr. Alok Agarwal: Chairman
ii. Prof. (Dr.) A.S. Singh: Co-ordinator
iii. Dr. Ruchira Chowdhury : Co-ordinator
iv. Dr. Manisha: Member
v. Dr. P.K. Sharma: Member
vi. Dr. Deepika : Member
vii. Dr. Swati Shukla: Member
viii. Mrs. Maya Swami: Member
ix. Sh. Rakesh Gupta, Member
x. Mrs. Renu Tandon : Member

7. College Development Committee

A. Building Maintenance and New Construction (all work)

i. Dr. P.K. Sharma: In-charge (all)
ii. Sh. Santosh Kumar
iii. Sh. Rajeev Saxena
iv. Sh. V.S. Negi
v. Sh. Rahul Kumar

B. Garden

i. Ms. Varsha Kuwar

C. Furniture Maintenance

i. Sh. Rakesh Landora

D. Hygiene, Water Testing, Waste Management

i. Dr. Om Kant: In-charge, Hygiene
ii. Dr. Nidhi Chauhan: In-charge, Water Testing
iii. Sh. Himanshu Singh: In-charge, Waste Management

E. Water and Electrical Maintenance

i. Sh. V.S. Negi
ii. Sh. Rajesh Kumar, Physics

8. Committee of Social and Cultural Activities

i. Dr. Swati Shukla: Coordinator
ii. Dr. Madhu Sharma
iii. Sh. Ankur Chauhan
iv. Dr. Jyoti Chaudhary
v. Mrs. Kritika
vi. Dr. Nidhi Chauhan
vii. Sh. Rakesh Gupta
viii. Sh. Rajesh Kumar, Physics
ix. Four Students Member

9. Canteen Committee

i. Sri Santosh Kumar
ii. Mrs. Kritika
iii. Sh. Kamal Mishra

10. Committee of Games and Sport/ First Aid

i. Prof. (Dr.) A.S. Singh : Coordinator
ii. Dr. Swati Shukla
iii. Dr. Om Kant
iv. Sh. Himanshu Singh
v. Ms. Ragini
vi. Sh. Ankur Chouhan, First Aid
vii. Sh. Durgesh Prasad Mourya
viii. Ms. Tarandeep Monga
ix. Sh. Ashish Singh
x. Sh. Rakesh Gupta
xi. Sh. Abhinav Dhyani
xii. Sh Rajesh Kumar (Micro)
xiii. Sh. Gautam Mehto
xiv. Sh. Amarpal
xv. Sh. Raju
xvi. Sh Sunil Kumar
xvii. Four Students

11. Editorial Board of College Magazine

i. Dr. Swati Shukla: Chief Editor
ii. Dr. Madhu Sharma
iii. Dr. Deepika
iv. Ms. Tarandeep Monga
vi. Sh. Rakesh Chaturvadi
vii. Sh. Raju

12. Academic Council of the College

A. Career Consultancy Cell

i. Prof. (Dr.) A.S. Singh: Coordinator
ii. Dr. Ruchira Chowdhury
iii. Mrs. Surbhi Gupta
vi. Sri. Ankur Chauhan
v. Mrs. Depti
vi. Sh. Durgesh Prasad Morya
vii. Sh. Sushil Kumar
viii. Sh. Rajesh Kumar (Micro.)
ix. Four Students

B. Library Committee

i. Dr. Madhu Sharma: Coordinator
ii. Sh. Himanshu Singh
iii. Sh. Rakesh Landora

C. Committee of College Prospectus

i. Dr. Deepika
iii. Mrs. Nidhi
iv. Ms. Ragini
v. Sh. Sushil Kumar

D. College Time-table Committee

i. Prof. (Dr.) A.S. Singh (GIA)
ii. Smt. Surbhi Gupta (SFS)
iii. Ms. Nivadita
iv. Sh. Sushil Kumar
v. Sh. Kamal Mishra

13. Grievence Redressal Cell

i. Dr. Manisha
ii. Dr. A.S. Singh
iii. Sh. Rakesh Landora
iv. Sh. Rajbeer

14. Girls Hostel

i. Dr. Manisha: Coordinator
ii. Dr. Deepika
iii. Ms. Shalu Saini (Warden)
iv. Library Peon

15. Semester Examination Cell

A. B.Sc. Classes (GIA)

i. Dr. Manisha: Coordinator
ii. Dr. P.K. Sharma
iii. Sh. Rakesh Gupta
iv. Sh. V.S. Negi

B. B.Sc. (SFS) and M.Sc. Classes

i. Dr. Ruchira Chowdhary
ii. Dr. Madhu Sharma
iii. Dr. Deepika
iv. Sh. Kamal Mishra

16. Fire fighting committee

i. Dr. Om Kant: Coordinator
ii. Ms. Mansi
iii. Sh. Rajbeer
iv. Sh. Raju

17. Officer In-charge Ethics and Committee against Sexual Harrassment

i. Dr. Manisha: Presiding Officer
ii. Dr. Ruchira Chowdhury
iii. Mrs. Vineeta Dhyani
iv. Sh. Rajesh Kashyap
v. Three Students

18. RTI Committee

I. Dr. Indu Mehrotra: Appeal Officer
ii. Dr. Alok Agarwal
iii. Dr. Manisha
iv. Dr. D.K. Upadhyaya
v. Sh. Kamal Mishra

19. Anti Drug Cell

I. Dr. P.K. Sharma Nodal Officer
ii. Sh. Ravi Tiwari
iii. Ms. Surbhi Gupta

20. Rover & Ranger Committee

I. Dr. Nidhi Chauhan
ii. Sh. Himanshu Singh

चिन्मय डिग्री कॉलेज में वर्ष 2025 हेतु अवकाशों की सूची

वर्ष 2025 की सार्वजनिक अवकाशों की अनुसूची
(मा0 राज्यपाल मैनुअल ऑफ गवर्नमेंट आर्ड्स के पैरा–243 के अन्तर्गत)

Ø-l-	R;kgkj dk uke	frfFk	lIrkg dk fnu	dqy vodk'k fnol
1	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी 2025	रविवार	01
2	महाशिवरात्रि	26 फरवरी 2025	बुधवार	01
3	होलिका दहन	13 मार्च 2025	बृहस्पतिवार	01
4	होली	14 मार्च 2025	शुक्रवार	01
5	*ईद उल फितर	31 मार्च 2025	सोमवार	01
6	राम नवमी	6 अप्रैल 2025	रविवार	01
7	महावीर जयन्ती	10 अप्रैल 2025	बृहस्पतिवार	01
8	डॉ भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	14 अप्रैल 2025	सोमवार	01
9	गुड फ्राइडे	18 अप्रैल 2025	शुक्रवार	01
10	बुद्व पूर्णिमा	12 मई 2025	सोमवार	01
11	*ईद उल जुहा बकरीद	7 जून 2025	शनिवार	01
12	*मोहर्रम	6 जुलाई 2025	रविवार	01
13	हरेला	16 जुलाई 2025	बुधवार	01
14	रक्षा बन्धन	9 अगस्त 2025	शनिवार	01
15	स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त 2025	शुक्रवार	01
16	जन्माष्टमी	16 अगस्त 2025	शनिवार	01
17	*ईद ए मिलाद/ मिलाद उल नबी बारावफात	5 सितम्बर 2025	शुक्रवार	01
18	महात्मा गॉधी जयन्ती/ दशहरा (विजयदशमी)	2 अक्टूबर 2025	बृहस्पतिवार	01
19	महर्षि वाल्मिकी जयन्ती	7 अक्टूबर 2025	मंगलवार	01
20	दीपावली	21 अक्टूबर 2025	मंगलवार	01
21	दीपावली (गोवर्धन पूजा)	22 अक्टूबर 2025	बुधवार	01
22	ईगास बग्वाल	1 नवम्बर 2025	शनिवार	01
23	गुरूनानक जयन्ती	5 नवम्बर 2025	बुधवार	01
24	क्रिसमस दिवस	25 दिसम्बर 2025	बृहस्पतिवार	01

*यह त्यौहार स्थानीय चन्द्र दर्शन के अनुसार मनाये जायेंगे।

2. श्री राज्यपाल निम्नलिखित अनुसूची में निर्दिष्ट अवकाशों को भी वर्ष 2025 में समस्त उत्तराखण्ड प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करते हैं।

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1	गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती	6 जनवरी 2025	सोमवार	01
2	चेटीचन्द	30 मार्च 2025	रविवार	01
3	विश्वकर्मा पूजा	17 सितम्बर 2025	बुधवार	01
4	गुरू तेगबहादुर शहीद दिवस	24 नवम्बर 2025	सोमवार	01

3.निर्बन्धित छुट्टियाँ

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1	छठ पूजा	28 अक्टूबर 2025	मंगलवार	01
2	दशहरा (महानवमी)	01 अक्टूबर 2025	बुधवार	01

4.प्राचार्य विवेकाधीन

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1	दशहरा (अष्टमी)	30 सितम्बर 2025	मंगलवार	01
2	दीपावली (नरक चर्तुदशी)	20 अक्टूबर 2025	सोमवार	01
3	भैयादूज	23 अक्टूबर 2025	बृहस्पतिवार	01

4.मा0 जिलाधिकारी महोदय के आदेशानुसार स्थानीय अवकाश

Ø-l-	R;kSgkj dk uke	frfFk	lIrkg dk fnu	dqy vodk'k fnol
1	चैत्र अमावस्या / सोमवती अमावस्या	26 मई 2025	सोमवार	01
2	श्री गंगा दशहरा	5 जून 2025	बृहस्पतिवार	01

- स्थानीय अवकाश माननीय जिलाधिकारी के आदेशानुसार किये गये है।
- शीतकालीन अवकाश –15 दिन
- ग्रीष्मकालीन अवकाश – 45 दिन
- प्राचार्य विवेकाधीन अवकाश– 03 का समायोजन कर दिया गया है

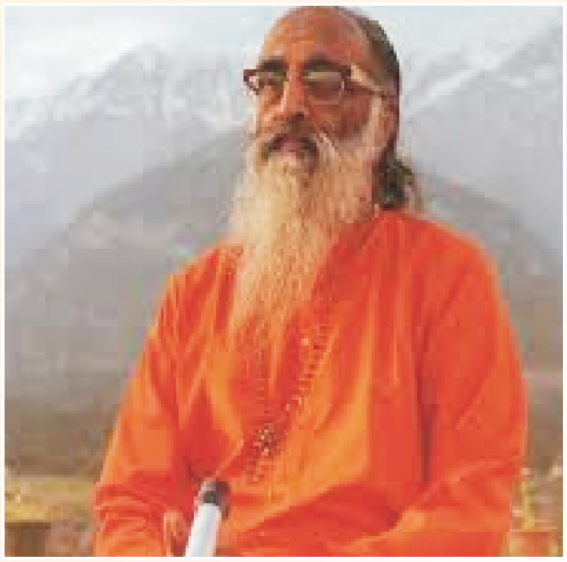

Doordarshan

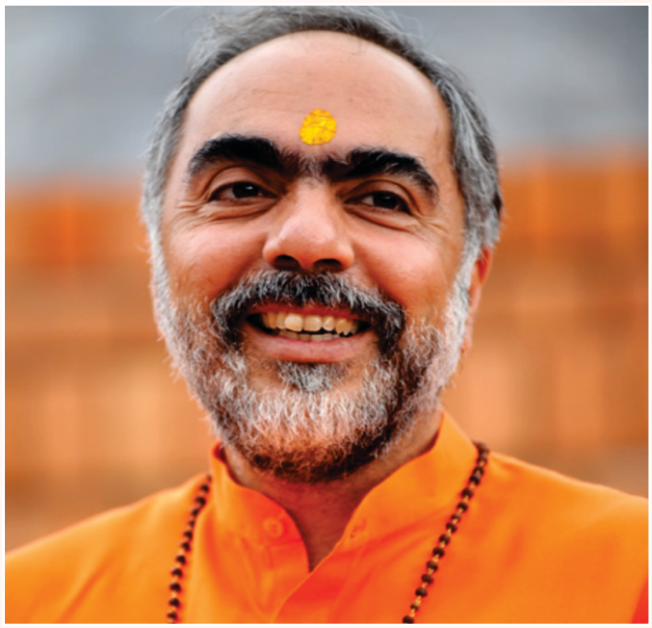

महत्वपूर्ण

1. यद्यपि कॉलेज विवरणिका के प्रकाशन में यथा संभव हर सावधानी का ध्यान रखा गया है, तथापि कोई त्रुटि दृष्टिगत होती है तो उसका संज्ञान एवं निवारण कॉलेज कार्यालय से संपर्क कर के किया जा सकता है।
2. आरक्षण का लाभ लेने वाले अभ्यर्थी संबंधित सर्टिफिकेट अनिवार्यतः आवेदन–पत्र के साथ ही संलग्न करें, अन्यथा वे लाभ से वंचित रह जाएँगे। आवेदन पत्र जमा होने के बाद ऐसे प्रकरण विचारणीय नही होंगे।
3. महाविद्यालय की समस्त सूचनाएँ कॉलेज की वेब साइट **www.chinmayadc.edu.in** पर देखी जा सकती है।